राजस्थान पत्रिका

सद्भावना के लिए दिल्ली से राजस्थान

नई दिल्ली 9 जनवरी

मुनि लोकप्रकाश लोकेश 14 जनवरी को दिल्ली से राजस्थान तक पदयात्रा शुरू करेंगे। सर्वधर्म सद्भाव पदयात्रा के उपलक्ष्य में संगोष्ठी एवं मंगल भावना समारोह का आयोजन अणुव्रत भवन में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता दिल्ली के उपराज्यपाल बी. एल. जोशी ने की । मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित थीं।

उपराज्यपाल बी. एल. जोशी ने समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा, सर्वधर्म सद्भाव भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र रहा है। अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की विरल विशेषता है। मौजूदा समय में इसे और अधिक बल देने की आवश्यकता है। आज हमारे सामने सबसे बड़ा खतरा यह है कि हमारी राष्ट्रीयता की भावना कुंठित हो रही है। साम्प्रदायिकता ने अपना सिर उठाकर वर्तमान स्थिति को और भी विकृत कर दिया है। ऐसे समय में मुनि प्रशांतकुमार एवं अहिंसा यात्रा के राष्ट्रीय प्रवक्ता लोकप्रकाश लोकेश द्वारा की जा रही सर्वधर्म सद्भाव पदयात्रा दिलों को जोड़ने का काम करेगी तथा समाज व राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। लोकेश जी से मेरा प्रारम्भ से परिचय रहा है। पिछले तीन वर्षों से भारत की राजधानी दिल्ली में उन्होंने अहिंसा, शांति व सद्भावना के लिए जो अलख जगाई है, वह सराहनीय है।

मुनि प्रशांतकुमार ने इस अवसर पर कहा, अनेकता में एकता की खोज हमारी संस्कृति की पहचान रही है। विभिन्न जाति, संप्रदाय और वर्गों के लोग यहां एक-एक साथ मिलकर रहते आए हैं। साम्प्रदायिक कट्टरता, जब कभी हावी हो जाती है, तब मानवता कराहने लगती है और उदारता व समन्वय की संस्कृति आहत हो उठती है। आज लोगों के दिलों को जोड़ने व हमारी प्राचीन उदात्त संस्कृति से परिचित कराने वाले रचनात्मक कार्यक्रमों की महती आवश्यकता है, सर्वधर्म सद्भाव पदयात्रा इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकेगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने कहा कि हमारी संस्कृति हजारों वर्ष पुरानी है, जिसने भगवान महावीर एवं भगवान बुद्ध जैसी मानवतावादी विभूतियों को जन्म दिया, जिन्होंने मानव जाति के कष्टों को दूर करने के लिए अपनी महान साधना से सत्य का मार्ग दिखाया। आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने गुजरात में अहिंसा यात्रा के माध्यम से व्यापक एवं प्रभावी कार्यक्रम आयोजित कर आदमी आदमी बीच बढ़ती दूरियों और वैमनस्य को दूर करने के लिए जो महान प्रयास किया। दिल्ली सरकार सन 2005 में उनके दिल्ली प्रवास के दौरान उन्हें राजकीय अतिथि का सम्मान प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि मुनिश्री प्रशांतकुमार एवं मुनिश्री लोकेश जी द्वारा दिल्ली से राजस्थान तक प्रारम्भ की जा रही सर्वधर्म सद्भावना यात्रा समाज में प्रेम, भाईचारा व शांति सद्भावना की स्थापना में सहायक सिद्ध होगी।

मुनि लोकप्रकाश लोकेश की पदयात्रा

मुनिश्री जैन धर्म के तेरापंथ के मुनि है। उनका चिन्तन और दृष्टिकोण साम्प्रदायिक संकीर्णता से सर्वथा मुक्त है। मुनिश्री को यह व्यापक दृष्टिकोण अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी से विरासत में मिला है। राज्यपाल जोशी तथा मुख्यमंत्री श्रीमती दीक्षित ने निष्काम समाज सेवी डा. कांति श्यामसुखा , डा. मीनाक्षी श्यामासुखा , डा. जितेन्द्र नागपाल तथा डा. ललित को शाल एवं साहित्य भेंट कर सम्मानित किया ।

(पत्रिका ब्यूरो)

सर्वधर्म सद्भाव पदयात्रा के उपलक्ष्य में अणुव्रत भवन में आयोजित संगोष्ठी एवं मंगल भावना समारोह में भाग लेते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल बी.एल. जोशी एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित।

पंजाब केसरी

दिल्ली से राजस्थान तक सर्वधर्म सद्भाव यात्रा 14 से

सर्वधर्म सद्भावना पदयात्रा के शुभारम्भ अवसर पर मुनि लोकपाल लोकेश, उपराज्यपाल बी.एल. जोशी, मुख्यमंत्री शीला दीक्षित व अन्य मुनिगण। (छाया : सोनू मेहता)

नई दिल्ली, (वार्ता, मैट्रो): दार्शनिक जैन मुनि तथा अहिंसा यात्रा के प्रवक्ता लोकप्रकाश 'लोकेश' आगामी 14 जनवरी को दिल्ली से राजस्थान तक की सर्वधर्म सद्भाव पदयात्रा पर रवाना होंगे। इस अवसर पर आज यहां आयोजित मंगल भावना समारोह में दिल्ली के उपराज्यपाल बी.एल. जोशी तथा मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने अहिंसा शांति एवं सद्भावना के लिए मुनि लोकेश के कार्यों की प्रशंसा की। उपराज्यपाल ने कहा-सर्वधर्म सद्भाव भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र रहा है। अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की विरल विशेषता है। मौजूदा समय में इसे और अधिक बल देने की आवश्यकता है। आज हमारे सामने सबसे बड़ा खतरा यह है कि हमारी राष्ट्रीयता की भावना कुंठित हो रही है। साम्प्रदायिकता ने अपना सिर उठाकर वर्तमान स्थिति को और भी विकृत कर दिया है। ऐसे समय में मुनिश्री प्रशांत कुमार जी एवं अहिंसा यात्रा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मुनि श्री लोक प्रकाश जी 'लोकेश' द्वारा की जा रही 'सर्वधर्म सद्भाव पदयात्रा' दिलों को जोड़ने का काम करेगी तथा समाज व राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। अहिंसा यात्रा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मुनिश्री लोकप्रकाश 'लोकेश' ने कहा कि जातिवाद एवं सम्प्रदायवाद राष्ट्रीय विकास में सबसे बड़े बाधक हैं। मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। हमें अपने विचारों तथा अस्तित्व की तरह दूसरों के अस्तित्व और विचारों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय जातिवाद और सम्प्रदायवाद को उभारा जाता है। इससे लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। मुनिश्री 'लोकेश' ने आशा व्यक्त की कि हरियाणा एवं राजस्थान में विधानसभा तथा पंचायत के चुनाव से पूर्व निकल रही 'सर्वधर्म सद्भाव पदयात्रा' साम्प्रदायिकता के विरुद्ध जन चेतना जगाने में सफल सिद्ध होगी। आचार्य श्री महाप्रज्ञजी ने गुजरात में अहिंसा यात्रा के माध्यम से व्यापक एवं प्रभावी कार्यक्रम आयोजित कर आदमी-आदमी के बीच बढ़ती दूरियों और वैमनस्य को दूर करने के लिए जो महान प्रयास किया। दिल्ली सरकार सन् 2005 में उनके दिल्ली प्रवास के दौरान उन्हें राजकीय अतिथि का सम्मान प्रदान करेंगी।